पाँचवी अखिल भारतीय विभागीय हिन्दी संगोष्ठी, नई दिल्ली दिनांक 25.04.2016

विषयः हिन्दी और सूचना प्रौद्योगिकी

कुँवर अजय सिंह
वैज्ञानिक सहायक

(सू.सं.एवं उप.प्रशिक्षण केंद्र नई दिल्ली)

सूचना प्रौद्योगिकी

❖ऐसा ज्ञान, जो ऐसी विशेषता रखता हो जिसमें विवेक, तर्क, क्रमबद्धता हो, विज्ञान कहा जाता है। अर्थात् सुव्यवस्थित एवं क्रमबद्ध ज्ञान को विज्ञान कहा जाता है।

❖विज्ञान के दो पहलू होते हैं - स्वान्तः सुखाय एवं बहुजन हिताय। ये दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। विज्ञान रूपी वृक्ष की जड़े मूलभूत सिद्धान्तों के समान हैं तथा वृक्ष से प्राप्त फल-फूल छाया यह विज्ञान प्रदत्त प्रौद्योगिकी की देन है।

❖विज्ञान का वह पहलु जो मानव जीवन में सुख एवं सम्पन्नता में साधक होता है, ”प्रौद्योगिकी“ के नाम से जाना जाता है। इसे विज्ञान कि बहुजन हिताय उपलब्धि माना गया है। इसके विकास से मानव का विकास जुड़ा है।

सूचना प्रौद्योगिकी

❖तकनीक व प्रौद्योगिकी के विकास के साथ ही सूचना प्रौद्योगिकी का युग प्रारम्भ हुआ | सूचना प्रौद्योगिकी एक सरल तंत्र है जो तकनीकी उपकरणों के सहारे सूचनाओं का संकलन , प्रक्रिया एवं संप्रेषण करता है|

❖ सूचना प्रौद्योगिकी कंप्यूटर पर आधारित सूचना-प्रणाली का आधार है| सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में **कंप्यूटर** का महत्व एक कल्पवृक्ष से कम नही है

सूचना प्रौद्योगिकी का महत्व एव प्रभाव

- सूचना प्रौद्योगिकी, सेवा अर्थतंत्र (Service Economy) का आधार है।

- पिछड़े देशों के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए सूचना प्रौद्योगिकी एक सम्यक तकनीकी (appropriate technology) है।

- गरीब जनता को सूचना.सम्पन्न बनाकर ही निर्धनता का उन्मूलन किया जा सकता है।

- सूचना-संपन्नता से सशक्तिकरण (empowerment)होता है।

- सूचना तकनीकी, प्रशासन और सरकार में पारदर्शिता लाती है। इससे भ्रष्टाचार को कम करने में सहायता मिलती है।

- सूचना तकनीक का प्रयोग योजना बनाने, नीति निर्धारण तथा निर्णय लेने में होता है।

- यह नये रोजगारों का सृजन करती है।

- सूचना क्रान्ति से समाज के सम्पूर्ण कार्यकलाप प्रभावित हुए हैं . धर्म, शिक्षा (e-learning), स्वास्थ्य (e-health),व्यापार(e-commerce),प्रशासन(e-govermance), द्धए उद्योग। अनुसंधान व विकास, संगठन, प्रचार आदि सब के सब क्षेत्रों में कायापलट हो गया है। आज का समाज सूचना समाज कहलाने लगा है।

भारत में सूचना प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण पहल

❖रेलवे टिकट एवं आरक्षण का कम्प्यूटरीकरण

❖बैंकों का कम्प्यूतारीकरण एवं एटीएम की सुविधा

❖इंटरनेट से रेल टिकटए हवाई टिकट का आरक्षण

❖इंटरनेट से एफआईआर

❖न्यायालयों के निर्णय आनलाइन उपलब्ध कराये जा रहे हैं।

❖किसानों के भूमि रिकार्डो का कम्प्यूटरीकरण

❖ इंजीनियरिंग में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन एवं आनलाइन

❖काउंसिलिंग आनलाइन परीक्षाएं

❖कई विभागों के टेंडर आनलाइन भरे जा रहे है।

❖ पासपोर्ट, गाडी चलाने के लाइसेंस आदि भी ऑनलाइन भरे जा रहे है।

❖ सभी विभागों कई बहुत सारी जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध है।

- ❖आज सूचना प्रौद्योगिकी ने विश्व को एक कुटुम्ब में परिवर्तित कर दिया है।

- ❖सूचना प्रौद्योगिकी के सर्वव्यापी रूप को देखते हुए किसी भी समाज व राष्ट्र को अपने सामाजिक,आर्थिक,राजनतिक, सांस्कृतिक उत्थान के लिए इसकी उपेक्षा करना संभव नहीं है।

- ❖लेकिन यह तो हमें ही तय करना होगा कि हम सूचना प्रौद्योगिकी के उत्पादों के बाज़ार और ग्राहक बनें या उसके इस्तेमाल से अपनी सामाजिक, आर्थिक समस्याओं के समाधान खोजें और समृद्धि के पथ पर अग्रसर हों ।

- ❖आज टेक्नॉलॉजी की भाषा को आम आदमी के नज़दीक पहुँचाने की आवश्यकता बढ़ गई है। यह तभी संभव है जब हम टेक्नॉलॉजी की भाषा / उत्पादो को आम आदमी की भाषा में तैयार किया जाए।

- किसी भी राष्ट्र की पहचान होती है-उसका निशान,जुबान और गान अर्थात उसका राष्ट्र ध्वज,जुबान यानी राष्ट्रभाषा या राज्यभाषा तथा गान मतलब उसका राष्ट्रगान जो उसकी एकता व अखंडता का का प्रतीक होता है।
- हिन्दी हमारी राज्यभाषा है।
- हिन्दी एक ऐसी भाषा है, जिसे भारत मे उत्तर से लेकर दक्षिण तथा पूरब से लेकर पशिचम तक लोग बोल व समझ सकते है।
- हिन्दी विश्व की तीन सबसे बड़ी भाषाओ मे से एक है।
- देवनागरी लिपि जो एक वैज्ञानिक लिपि है,भारत के विशाल भाषा क्षेत्र की लिपि है।

कंप्यूटर पर कार्य करने में हिन्दी प्रयोक्ता की समस्याएँ

❖एक, हिंदी में कंप्यूटर पर काम करना संभव ही नहीं है।

❖दो, यदि है भी तो केवल निचले स्तर का काम ही संभव है।

❖तीन, उच्च स्तर की सारी कंप्यूटरी केवल अंग्रेज़ी में होती है।

❖चार, सारे मूल सॉफ्टवेयर अंग्रेज़ी में बनते हैं और प्रोग्रामिंग तो केवल अंग्रेज़ी में होती है।

और यदि आप यह साबित कर दें कि यह संभव है तो दूसरी तरफ यह कि—

❖हिंदी में काम करना बहुत मुश्किल है. क्योंकि पहले तो तुम्हें हिंदी टाइप करना नहीं आएगा ।

❖दूसरे, अगर आ भी गई तो हिंदी फोंट नहीं मिलेगा ।

❖तीसरे, यदि मिल भी गया तो तुम इंटरनेट ब्राउज़ नहीं कर सकोगे, ई-मेल नहीं भेज सकोगे।

❖चौथे, ऑपरेटिंग सिस्टम तो केवल अंग्रेज़ी में चलता है. यदि तुमने हिंदी का ऑपरेटिंग सिस्टम जुगाड़ भी लिया तो दूसरे कंप्यूटरों से कनेक्ट कैसे करोगे क्योंकि वे तो अंग्रेजी के ऑपरेटिंग सिस्टम पर चल रहे हैं.

कंप्यूटर पर कार्य करने में हिन्दी प्रयोक्ता की समस्याएँ

- हिन्दी कोड व्यवस्था
- हिन्दी के भाषाई उपकरणो की कमी
- हिन्दी फॉन्ट की समस्या
- हिन्दी कुंजीपटल की समस्या

यूनिकोड सेवी ऑपरेटिंग सिस्टम

❖ माइक्रोसॉफ्ट के विंडोज़ सीई, विंडोज़ 2000, विंडोज़ एनटी और विंडोज़ एक्सपी
❖ लिनक्स-जीएनयू ग्लिबसी 2.2.2 और नवीनतम के साथ /केडीई भी हिंदी में
❖ एससीओ यूनिक्सवेअर 7.1.0
❖ सन सोलेरिस
❖ एपल के मैक ओएस 9.2, मैक ओएस 10.1, मैक ओएस एक्स सर्वर
❖ बेल लैब्स प्लान 9
❖ कॉम्पैक्स ट्रू64 यूनिक्स, ओपन वीएमएस
❖ आईबीएम एआईएक्स, एएस/400, ओएस/2
❖ वीटा न्यूओवा का इन्फर्नो
❖ नया जावा प्लेटफार्म
❖ सिम्बिअन प्लेटफार्म

डेटाबेस और सहायक सुविधाएँ-

कंप्यूटर का मुख्य कार्य आँकड़ों को ग्रहण, विश्लेषित और स्टोर करना है। यह कार्य डेटाबेस सॉफ्टवेअरों में तैयार अनुप्रयोगों से किया जाता है। इसके कुछ उपयोग जैसे बैंकिंग व्यवस्था, रेल व्यवस्था, बीमा सॉफ्टवेयर आदि हैं। इनमें से निम्नलिखित में यूनिकोड को समर्थन प्राप्त है। यानी यदि आप ऊपर उल्लेखित ऑपरेटिंग सिस्टमों में से किसी पर निम्नलिखित में से कोई डेटाबेस चलाएँगे तो आप अपना सारा कार्य हिंदी में उसी सटीकता, शुद्धता और पूर्णता से कर पाएँगे, जैसे आप अग्रेंजी में करते हैं। ये डेटाबेस हैं—

- माइक्रोसॉफ्ट एक्सेस 2000/ एक्सपी
- माइक्रोसॉफ्ट एसक्यूएल सर्वर
- ऑरेकल ऑरेकल 8
- यूनिसिस यू रैप
- एडाबेस संस्करण 7
- फ्रंटबेस वी 2.19
- पोस्टग्री एसक्यूएल 7.1 –(विश्व का सर्वाधिक विकसित ओपन सोर्स डेटाबेस)
- साइबेस एडप्टिव सर्वर एंटरप्राइज़

प्रोग्रामिंग लैंग्वेजिज़

किसी अनुप्रयोग को तैयार करने के लिए किसी न किसी प्रोग्रामिंग भाषा का इस्तेमाल किया जाता है। इन भाषाओं के यूनिकोडसेवी होने के कारण अब हिंदी में सॉफ्टवेयर लिखना कोई मुश्किल काम नहीं रहा है. नीचे कुछ यूनिकोड समर्थित प्रोग्रामिंग भाषाओं को दिया गया है—

- जावा प्रोग्रामिंग भाषा
- एक्सचेंज़र एक्सएमएस एडीटर संस्करण 1.2
- माइक्रोसॉफ्ट वीजे++, विज़ुअल स्टुडियो 7.0, विज़ुअल बेसिक
- जावा स्क्रिप्ट (ईएसएमए स्क्रिप्ट)
- आईबीएम एपीएल 2
- लैड सी++ क्लास लाइब्रेरी
- पाइथॉन- ऑबजेक्ट ओरिएन्टिड ओपन सोर्स लैंग्वेज़
- साइबेस
- टीसीएल 8.1+
- एक्सएमएल ब्लूप्रिंट एक्सएमएल एडीटर संस्करण 2.2
- यूनिएडिट डीएलएल

हिन्दी के भाषाई उत्पाद

इंटरनेशनल लाइब्रेरीज़- इन लाइब्रेरीज़ का अनुप्रयोग विकसित करने और बैकग्राऊंड सपोर्ट प्रदान करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। निम्नलिखित इंटरनेशनल लाइब्रेरीज़ यूनिकोड को समर्थन प्रदान करती है—

- एलिस बैटम
- बेसिक टैक्नॉलजी यूक्लिड
- डेल्फी फंडामेंटल्स कोड लाइब्रेरी
- डीआई कनवर्टर्स 1.9.1
- सेलिओज़ वर्ज़न 1.3
- जेनेसिस 11
- आईबीएम आईसीयू ओपन सोर्स लाइब्रेरी
- आईबीएम आईसीयू4जे जावा लाइब्रेरी
- लेक्सटैक लैंग्वेज़ आइडेंटीफायर
- लिबिकॉन्व
- एसडीएल इंटरनेशनल

अन्य सॉफ्टवेयर- इसके अतिरिक्त निम्नलिखित सॉफ्टवेयर भी यूनिकोड को समर्थन प्रदान करते हैं। ये सॉफ्टवेयर खास कामों के लिए विकसित किए गए अनुप्रयोग हैं। आइए, एक बानगी देखें—

- आर्चीवारिअस 3000
- 123बिल्डइट
- जिस्टइनटाइम
- एल्टाविजा
- बीएंडई सॉफ्टवेयर
- बेसिस टैक्नॉलजी सी2सी

हिन्दी कम्प्यूटरीकरण के लिए प्रयास

❖इस दिशा में प्रौद्योगिकी के विकास के लिए सरकार ने पिछले सालों में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं ये कदम सरकारी और निजी दोनों स्तरों पर उठाए गए हैं

❖कंप्यूटर में हिंदी प्रयोग की बढ़ती संभावनाओं को ध्यान में रखकर इलेक्ट्रॉनिकी विभाग ने भारतीय.भाषाओं के लिए **"टेक्नॉलॉजी विकास"** नामक परियोजना के अंतर्गत कई प्रोजेक्ट शुरू किए हैं। इस प्रयास में आई॰आई. टी , कानपुर और सी.डैक की भूमिका प्रमुख थी।

❖आज विंडोज़ प्लेटफार्म में काम करने वाले अनेक हिंदी सॉफटवेयर मार्केट में उपलब्ध हैए जैसे सी.डैक का इज्म ऑफिस, लीप ऑफिस, अक्षर फार विंडोज़ सुविंडोज़ और आकृति आदि।

❖हाल ही में **युनिकोड** फॉन्ट के प्लेटफार्म पर विकसित माइक्रोसॉफट ऑफिस हिन्दी में स्क्रीन का समस्त परिवेश जैसे कमान, संदेश, फाइल नाम आदि भी हिंदी में उपलब्ध है।

- ❖सूचना प्रौद्योगिकी के तहत मशीनी अनुवाद एवं लिप्यंतरण सहज एवं सरल हो गया है। सी.डैक पुणे ने सरकारी कार्यालयों के लिए अंग्रेज़ी.हिंदी में पारस्परिक कार्यालयीन सामग्री का अनुवाद करने हेतु मशीन असिस्टेड ट्रांसलेशन **मंत्रा पैकेज** विकसित किया है।
- ❖हिंदी भाषा में वेबपेज विकसित करने हेतु प्लग इन पैकेज तैयार किया गया है जिससे कोई भी व्यक्तिए संस्थाए अपने वेब पेज हिंदी में प्रकाशित कर सकता है।
- ❖अब वर्तमान स्थिति में वेबसाइट पर हिंदी में इलेक्ट्रॉनिक शब्दकोश उपलब्ध है। इसी तरह अंग्रेज़ी तथा भारतीय-भाषाओं में पारस्परिक अनुवाद प्राप्त करने की सुविधा भी उपलब्ध है।
- ❖ कंप्यूटर एवं इंटरनेट के सहारे शिक्षा का प्रसार तीव्र गति से होने की संभावना बढ़ गई है।
- ❖सूचना प्रौद्योगिकी में हिंदी भाषा का प्रचलन धीरे-धीरे बढ़ रहा है। माइक्रोसाफट, याहू, रेडिफ, गूगल आदि विदेशी कंपनियों ने अपनी वेबसाइट पर हिंदी भाषा को स्थान दिया है।
- ❖माइक्रोसॉफ्ट के डेस्कटॉप उत्पाद हिंदी में उपलब्ध हैं आई बी ऍम , सन.मैक्रो सिस्टम, ओरकल आदि ने भी हिंदी को अपनाना शुरू कर दिया हैं
- ❖इन्टरनेट एक्सप्लोरर, नेट्स्केप, मोज़िला, क्रोम आदि इन्टरनेट ब्राउज़र भी खुल कर हिंदी का समर्थन कर रहे हैं
- ❖आम कंप्यूटर उपभोक्ताओं के लिये कामकाज से लेकर डाटाबेस तक हिंदी में उपलब्ध हैं

❖आजकल सभी प्रमुख ऑपरेटिंग सिस्टम जेसेकि माइक्रोसॉफ़्ट-विंडो ,लिनक्स, एपल मैक , एपल आईओएस तथा गूगल ऍण्ड्रॉइड मे हिन्दी समर्थन और हिन्दी टंकण हेतु **इन्स्क्रिप्ट कीबोर्ड** अन्तर्निर्मित होता है।

❖ भारत सरकार के नेशनल सेंटर फॉर सॉफ्टवेर टेक्नालजी इंस्टीटयूट ने सभी भारतीय भाषाओं की लिपि को कंप्यूटर पर स्थापित करने के लिए विशेष अभियान चलाया है। अमेरिकन माइक्रोसाॅफट कंपनी ने एन सी एस टी (NCST) के साथ एक संयुक्त योजना के तहत विश्व प्रसिद्ध विंडोज प्रणाली पर भारतीय.भाषाओं को विकसित करने का कार्य शुरू किया है।

❖इंटरनेट सेवा के अंतर्गत ई.मेल, चेटिंग, वायस मेल, ई.ग्रीटिंग आदि बहुपयोगी क्षेत्र में हिंदी भाषा का विकास एवं संप्रेषण(communication) की संभावनाएं अधिक है। कंप्यूटर पर हिंदी भाषा ध्वनिए चित्र एनीमेशन के सहारे विकसित की जा रही है। कई इंटरनेट साइट में प्रमुख भारतीय.भाषाओं के लिए उपयुक्त संपर्क सूत्र, ई.मेल, सॉफटवेयरए आदि जानकारी उपलब्ध है जैसे www.rajbhasa.com, www.indianlanguages.com, www.hindinet.com आदि।

❖भारतीय.भाषाओं को विकसित करने हेतु सी.डैक मुंबई में इंडियन लैंग्वेज रिर्सोसेस सेंटर के तहत कंप्यूटर के क्षेत्र में अनुसंधान जारी है। अब तक हिंदी शब्दों का विशाल भण्डार हिन्दी वर्ड नेट पर विकसित किया गया है। इससे हिंदी भाषा को विश्व की प्रमुख भाषाओं के साथ जोड़ा जाएगा।

इंटरनेट पर हिन्दी

❖आज के युग में वे ही भाषाएँ बच पायेंगी जो संगणक और अन्तरजाल से जुड़ी होंगी; जिनमें विविध क्षेत्रों का ज्ञान ऑनलाइन उपलब्ध होगा। इसके लिये तरह-तरह के साफ्टवेयर चाहिये जो लिखने, खोजने, सहेजने, इसका रूप बदलने आदि में सुविधा प्रदान करें। इसी लिये हिन्दी के साफ्टवेयरों का बहुत ही महत्व है।

❖आने वाले कुछ वर्षो मे भारत दुनिया के बड़े कम्प्युटर बाजारों में से एक होगा और इंटरनेट पर जिन तीन भाषाओं का दबदबा होगा वे है :हिन्दी, मेंडरिन और अंग्रेजी

इंटरनेट पर हिन्दी की प्रमुख वैबसाइट

1www.rajbhasha.nic.in

2. www.ildc.gov.in

3.www.shabdkosh.com

4. www.bhashaindia.com

5.www.raftar.com

6.www.cstt.nic.in

7.www.raftar.com

8. www.sahityakunj.net

Department of official Lan
www.rajbhasha.nic.in
राजभाषा विभाग
Department of Official Language
गृह मंत्रालय - भारत सरकार
सत्यमेव जयते
मुख्य सामग्री पर जाएं | स्क्रीन रीडर का उपयोग | English| हिंदी
साइटमैप | विभाग से संवाद | हमसे संपर्क करें
खोज
राजभाषा संबंधी प्रावधान
संवैधानिक प्रावधान
राजभाषा अधिनियम 1963
राष्ट्रपति का आदेश-1960
राजभाषा संकल्प 1968
राजभाषा नियम, 1976
सभी देखें
सूचना प्रबंधन प्रणाली | हिंदी प्रशिक्षण | आईटी - टूल्स | प्रोत्साहन योजनाएं | राजभाषा समारोह | वार्षिक कार्यक्रम/रिपोर्ट | शब्द पहेली/कहानियां
परिचय
कंप्यूटरों में हिंदी सक्रिय कैसे करें?
गुगल वाइस टाइपिंग
हिंदी सीखने के लिए लीला - प्रबोध, प्रवीण तथा प्राज्ञ
मशीन अनुवाद (अंग्रेजी से हिंदी) मंत्र-राजभाषा
प्रवाचक-राजभाषा (हिंदी टेक्सट से हिंदी स्पीच)
ई - महाशब्दकोश
श्री राजनाथ सिं
प्रोफ़ाइल
संदेश
श्री किरेन रीजीजू, गृह राज्य मंत्री
प्रोफ़ाइल
संदेश
हमारे बारे में
संगठन चार्ट
नागरिक चार्टर
विभाग के कार्य
राजभाषा विभाग का बजट
विभाग से संबंधित ई-बुक
सभी देखें
राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरका
Department of Official Language, Ministry of Home Affairs, Governm
हिंदी दिवस समारो
HINDI DIVAS SAMAR
www.rajbhasha.nic.in/#

ई-महाशब्दकोश

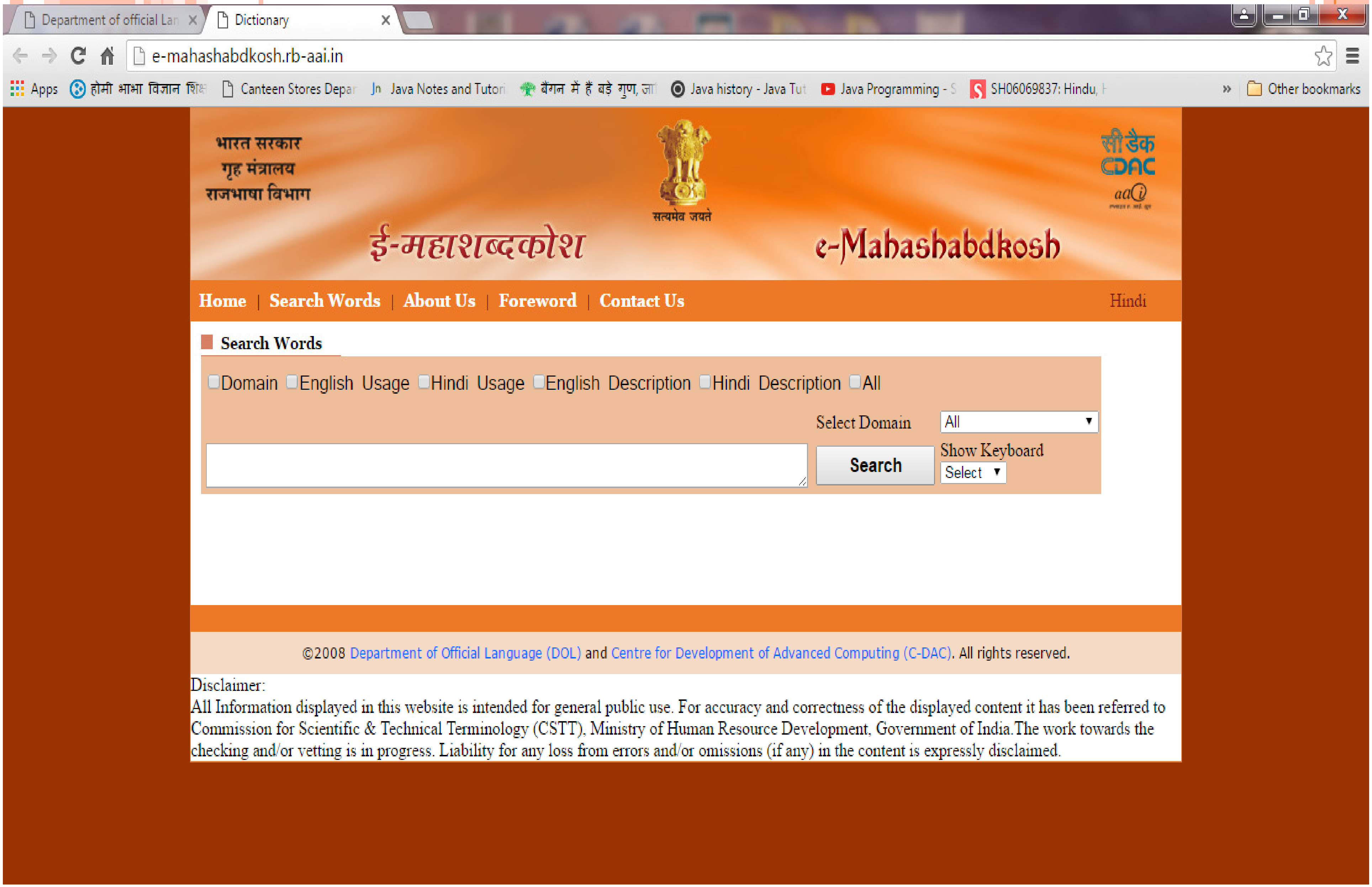
Department of official Lan
Dictionary
e-mahashabdkosh.rb-aai.in
Apps
Canteen Stores Depar
Java Notes and Tutori
Java history - Java Tut
Java Programming - S
SH06069837: Hindu,
Other bookmarks
भारत सरकार
गृह मंत्रालय
राजभाषा विभाग
सत्यमेव जयते
सी डैक
CDAC
ई-महाशब्दकोश
e-Mahashabdkosh
Home | Search Words | About Us | Foreword | Contact Us
Hindi
Search Words
Domain English Usage Hindi Usage English Description Hindi Description All
Select Domain
All
Search
Show Keyboard
Select
©2008 Department of Official Language (DOL) and Centre for Development of Advanced Computing (C-DAC). All rights reserved.
Disclaimer:
All Information displayed in this website is intended for general public use. For accuracy and correctness of the displayed content it has been referred to Commission for Scientific & Technical Terminology (CSTT), Ministry of Human Resource Development, Government of India.The work towards the checking and/or vetting is in progress. Liability for any loss from errors and/or omissions (if any) in the content is expressly disclaimed.

वाचक- राजभाषा (हिन्दी टेक्स्ट से हिन्दी स्पीच)

https://pravachak-rajbhasha.rb-aai.in

भारत सरकार
गृह मंत्रालय
राजभाषा विभाग

Pravachak
वाचक RAJBHASHA राजभाषा

सी-डैक CDAC

Home | हिंदी

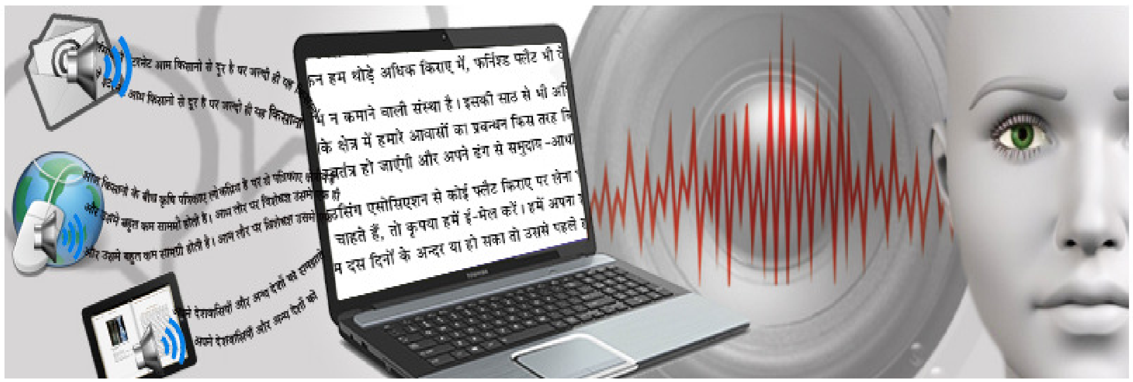

Download Information | Product Features | Product Requirement

About Pravachak-Rajbhasha

Pravachak-Rajbhasha is a Hindi Text-to-Speech (TTS) system developed by Applied AI group, C-DAC, Pune with support of Department of Official Language (DOL), New Delhi. It transforms Hindi text (UNICODE) into Hindi speech. Pravachak-Rajbhasha has a facility of reading the selected Hindi (Unicode) text from a web page or a text/doc file.

File Size : 58.1 MB

Estimated Download Time:

© Copyrights 2010, Rajbhasha Vibhag and C-DAC. All Rights Reserved.

श्रुतलेखन- राजभाषा (हिन्दी स्पीच से हिन्दी टेक्स्ट)

मशीन अनुवाद (अंग्रेजी से हिन्दी) मंत्र-राजभाषा

हिन्दी सीखने के लिए लीला-प्रबोध , प्रवीण तथा प्राज्ञ

निष्कर्ष

कंप्यूटर पर अन्य भाषाओं की ही तरह हिन्दी भाषा में भी आसानी से कार्य किया जा सकता है। प्रायः जानकारी के अभाव में हिन्दी में कार्य करने मे हमें कठिनाई होती है या हम झिझक महसूस करते है। कम्प्युटर पर हिन्दी में कार्य करने की सुविधा उपलब्ध है जरूरत है तो बस उन सुविधाओं की जानकारी प्राप्त करने और उन्हे उपयोग में लाने की ।

आइये प्रोद्योगिकी के इस युग में हिंदी के उज्ज्वल भविष्य के बीच हम इसके प्रति सवेदनशील बने और खुद को इसकी प्रगति में भागीदार बनाएँ।

निज भाषा उन्नति अहै, सब भाषा को मूल ।
बिनु निज भाषा ज्ञान के, मिटै न हिय को शूल ॥

— भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

धन्यवाद